दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

गोमतीनगर, राजीव वार्ड-2 के स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष चुने गए डा. भरत राज सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ। उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के क्रियावान के लिए अनुकूल वातावरण एंव उसमे जन साधारण की सक्रिय भागीदारी हेतु शासनादेश संख्या -3483/नौ. 5.2017.355.सा /2017 दिनांक 04 सितम्बर 2017 के क्रम में,नगर महापालिका के सभी जोन्स व उनके वाड्र्स में स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के गठन का निर्णय लिया गया ।उक्त अभियान को गति देने व नागरिको की सहभागिता बढाने हेतु राजीव गाँधी वार्ड द्वितीय में भी विराम खण्ड, विनय खण्ड के 9.नागरिको को इसका दायित्व दिया

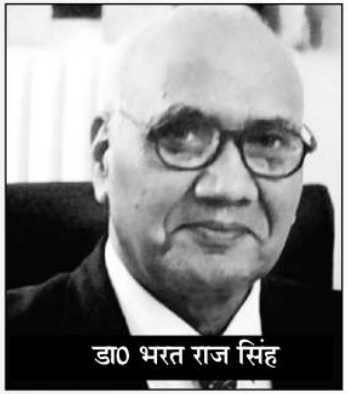

डा0 भरत राज सिंह

गया है, जिसकी प्रथम बैठक दिनाक 12 अक्टूबर 2017 को राम-भवन परिसर में संपन्न हुयी। इस बैठक मे गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष डा0 बी0एन0 सिंह व सचिव, रूप किशोर शर्मा व आर0एस0मिश्र तथा उप.खंण्ड समितियों के अध्यक्ष, जी0एन0 सिन्हा, आदि एंव नगर उपाध्यक्ष, स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति, सुनील मिश्रा, संयुक्त नगर आयुक्त, अनूप वाजपेयी व पूर्व.पार्षद अरुण तिवारी आदि सम्मिलत हुए और स्वच्छता अभियान को गति देने हेतु अपने सुझाव दिए।बैठक के औपचारिक रूप से प्रारम्भ होने के पूर्व, सभी मनोनीत नागरिको की सहमति से डा0 भरत राज सिंह, जो विराम खण्ड-5 के निवासी है तथा गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के पर्यावरण सलाहकार व स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेज के महा.निदेशक (तकनीकी) है, एकमत से इस कार्यहेतु अध्यक्ष मनोनीत किया गया द्य डा0 सिंह ने अपने वकतव्य में, सभी नागरिको को धन्यवाद देते हुए उनके सहयोग और उनमे स्वच्छता अभियान के प्रति जन.मानस में प्रेरणा जगाने के लिए उनकी सहभागिता और नगर निगम के अधिकारियो से भी उनमे सामंजय बैठाकर समुचित प्रगति बढाने की अपेक्षा की है । यह लखनऊ के अधिकांश नगरवासियो को ज्ञात है कि डा0 भरत राज सिंह एक वरिष्ठ पर्यावरणविद है जो विश्वस्तर पर ग्लोबलवार्मिंग की विभीषकाओ के प्रति सचेत करते रहते है और जलवायु.परिवर्तन के संरक्षण पर अपनी अहम् भूमिका निभा रहे है ।